कक्षा–12वीं
विषय– लेखाशास्त्र
विषय कोड– (301)

सैद्धांतिक–80
प्रायोजना–20 **पूर्णांक–100(80+ 20)**

इंकाई	विषय वस्तु	कालखण्ड	आबंटित अंक
भाग–'अ'	**साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिए लेखांकन**		
1	साझेदारी फर्म के लिए लेखांकन	90	35
2	कंपनी के लिए लेखांकन	60	25
		150	**60**
भाग–'ब'	**वित्तिय विवरण विश्लेषण**		
3	वित्तिय विवरण का विश्लेषण	30	12
4	रोकड प्रवाह विवरण	20	08
		50	**20**
भाग–'स'	**प्रोजेक्ट कार्य**	**40**	**20**
	योग	**240**	**100**
	अथवा		
भाग–'ब'	**कम्प्यूटरीकृत लेखांकन**		
4	कम्प्यूटरीकृत लेखांकन	50	20
		50	**20**
भाग–'स'	**प्रायोगिक कार्य**	**40**	**20**
	योग	**240**	**100**

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा 12वीं
लेखाशास्त्र (301)

समयः– 3 घंटा पूर्णांक–80

भाग : अ – साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिए लेखांकन 60 अंक 150 कालखण्ड

इकाई : एक – साझेदारी फर्म के लिए लेखांकन 90 कालखण्ड

- साझेदारी – प्रकृति, साझेदारी विलेख
- साझेदारी विलेख के आभाव में भारतीय साझेदारी Act 1932 का प्रावधान।
- स्थिर V/S परिवर्तनशील पूंजीगत खाते, लाभ–हानि विनियोजन खातों को तैयार करना, साझेदारो के बीच लाभ का विभाजन, साझेदार को लाभ की गारंटी।
- पूर्व समायोजन (पूंजी पर ब्याज से संबधित, निकासी, वेतन, तथा लाभ विभाजन अनुपात पर ब्याज)।
- साख – प्रकृति, प्रभावित करने वाले कारक तथा मूल्यांकन की प्रक्रिया, औसत लाभ, सुपर लाभ तथा पूंजीवादिता।

साझेदारी फर्म का लेखांकन – पुर्नगठन तथा विघटन

- लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन – वर्तमान साझेदार के साथ त्याग अनुपात, वृद्धि अनुपात, परिसंपत्ति के पूर्नमूल्यांकन के लिए लेखांकन तथा दायित्वों का पुर्ननिर्धारण, अतिरिक्त तथा संचित लाभ का निदान, पुर्नमूल्यांकन खातों तथा बैलेंस शीट तैयार करना।
- साझेदार का प्रवेश – साझेदार के प्रवेश पर लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन का प्रभाव, साख का उपचार (निदान) (as per AS 26) परिसंपत्तियों के पुर्नमूल्यांकन तथा दायित्वों के पुर्ननिर्धारण का निरूपण, संचित व अतिरिक्त लाभ का निरूपण पूंजीगत खातों का समायोजन तथा बैंलेंस शीट तैयार करना।

साझेदारी की सेवानिवृत्ति/मृत्यु –

- साझेदारी की सेवानिवृत्ति/मृत्यु पर लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन का प्रभाव, साख का उपचार (as per AS 26) परिसंपत्तियों के पुर्नमूल्यांकन तथा दायित्वों के पुर्ननिर्धारण का निरूपण, संचित तथा accumulated लाभ का समायोजन, पूंजीगत खातों का समायोजन तथा बैंलेंस शीट तैयार करना, सेवानिवृत साझेदार का लोन (ऋण) खाता तैयार करना। मृतक साझेदार के लाभ विभाजन (लाभांश) का मृत्यु दिनांक तक गणना, मृतक साझेदार के पूंजीगत खाता तथा उसके निर्वाहक के खाता को तैयार करना।
- साझेदारी फर्म का विघटनः साझेदारी फर्म तथा साझेदारी के विघटन का अर्थ, फर्म के विघटन के प्रकार, खातों का निपटारा, वसूली खाते तथा अन्य संबंधी खाते तैयार करना, साझेदार का पूंजीगत खाता तथा रोकड़/बैंक a/c (पृथक विभाजन छोड़कर, कंपनी का क्रय तथा साझेदार का संविलयन) का दिवाला।

नोट : – विघटन के समय प्रत्येक संपति की वास्तविक कीमत देना चाहिए

इकाई : 2 – कंपनी के लिए लेखांकन **60 कालखण्ड**

- अंश तथा अंशपूंजी – प्रकृति तथा प्रकार
- अंशपूंजी के लिए लेखांकन – इक्विटी शेयर (समता अंश) का निर्गमन तथा आबंटन, जनता में अंशों का अभिदान, अंशों का अधिक अभिदान तथा न्यून अभिदान, अधिमूल्य तथ बट्टे पर निर्गमन, अग्रिम मांग तथा बकाया मांग (ब्याज छोड़कर), रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल में अंशों का निर्गमन।
- निजी स्थान नियोजन तथा एम्पालयी स्टॉक आप्शन (ESOP)
- जुर्माने का लेखांकन निदान तथा अंशों का निर्गमन।
- कंपनी की बैलेंस शीट में अंशपूंजी का Disclosure (प्रकाशन) **ऋणपत्रों हेतु लेखांकन :–** ऋणपत्रों का निर्गमः रोकड़ के लिए, बट्टे पर, प्रीमियम पर तथा छूट पर ऋणपत्रों का निर्गम रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋणपत्रों का निर्गमन, ऋणपत्रों का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन – अवधारणा, ऋणपत्रों पर ब्याज, ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि/बट्टे का अपलेखन तत्काल निरस्तीकरण के लिए ऋणपत्रों का मोचन, एकमुश्त, किस्त में खुले बाजार में क्रय तथा अंशों या नए ऋणपत्रों में परिवर्तन द्वारा ऋणपत्र मोचन निधि का निर्माण : –
- परिवर्तन प्रक्रिया
- निक्षेप निधि विधि

नोट – (कंपनी एक्ट 2013 के संबंधी सेक्शन लागू)

भाग : 'ब' वित्तिय विवरण विश्लेषण

इकाई : 3 – वित्तिय विवरण विश्लेषण **30 कालखण्ड**

कंपनी के वित्तिय विवरण :– मुख्य शीर्षक तथा उपशीर्षक के साथ निर्धारित प्रपत्र में लाभ, हानि तथा बैंलेंस शीट का विवरण (as per schedule iii to the companies act 2013)

- वित्तिय विवरणों का विश्लेषण : उद्देश्य, महत्व तथा सीमाएं
- वित्तिय विवरणों विश्लेषण की तकनीके : तुलनात्मक विवरण, समरूप विवरण, रोकड़ प्रवाह विश्लेषण, अनुपात विश्लेषण।
- लेखांकन अनुपात :– उद्देश्य, वर्गीकरण तथा कम्प्यूटरीकरण।
- द्रव्यता अनुपात – चालू अनुपात तथा तरल अनुपात।
- ऋणशोधन क्षमता अनुपात – ऋण पर नियोजित पूंजी, स्वामित्व अनुपात, कुल परिसंपत्तियों पर ऋण अनुपात– ब्याज व्यापति अनुपात।
- सक्रियता अनुपात– रहतियाँ आवर्त अनुपात, व्यापारिक प्राप्य अनुपात, व्यापारिक देय अनुपात, निवेश अनुपात, स्थिर परिसंपत्तिया अनुपात, कार्यशील पूंजी अनुपात।
- लाभ प्रदत्ता अनुपात– सकल लाभ अनुपात, प्रचालन अनुपात, प्रचालन लाभ अनुपात, निवल लाभ अनुपात तथा निवेश पर प्रत्याय (ROI) निवल संपति पर प्रत्याय (RONW)

Note :- Net profit Ratio is to calculatead on the basis profit before & after tax.

इकाई : 4 – रोकड़ प्रवाह विवरण **20 कालखण्ड**

अर्थ, उद्देश्य तथा तैयार करना As per AS3 (revised) Indirect method only (लेखांकन मानक 3 अनुसार)।

अथवा

भागः 'ब कम्प्यूटरीकृत लेखांकन 50 कालखण्ड

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली का संक्षिप्त विवरण

- भूमिका, लेखांकन में अनुप्रयोग
- कम्प्यूटरीकृत लेखांकन प्रणाली की विशेषताएँ
- CAS की संरचना
- सॉफ्टवेयर पैकेजेस्–जेनेरिक, स्पेसिफिक, Tailored.

इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग

- इलेक्ट्रानिक स्प्रेडशीट की अवधारणा
- इलेक्ट्रानिक स्प्रेडशीट द्वारा प्रस्तावित विशेषताएँ
- जेनेरेटिंग लेखांकन सूचना में अनुप्रयोगः बैक समाधान विवरण
- सम्पति लेखांकनः निर्धारित समय सीमा से ऋण वापसी, अनुपात विश्लेषण
- डाटा प्रस्तुतीकरण–ग्राफ, चार्ट (charts) तथा चित्रण

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन–प्रणाली के उपयोग

- CAS की स्थापना के पद, मूल खातो के कोडिफिकेशन तथा वर्गीकरण, खाता निर्माण
- डाटाः प्रविष्टि, नियतिकरण, तथा प्रमाणीकरण
- प्रविष्टियों का समायोजन, बैलेंस शीट तैयार करना, पूर्व शेष (Opening balance) तथा अंतः शेष (closing balance) के साथ लाभ हानि खाते, प्रणाली की सुरक्षात्मक एवं आवश्यक विशेषताएँ

डाटाबेस मेनेजमेंट सिस्टम (DBMS)

- DBMS की अवधारणा व विशेषताएँ
- व्यवसायिक अनुप्रयोग में DBMS
- जेनेरेंटिग लेखांकन सूचना -Payroll

टीप :– लेखाशास्त्र विषय संबंधी संदर्भ पुस्तकों का आवश्यतानुसार उपयोग किया जा सकता है।

.....000.....

कक्षा–12वीं

विषय – लेखाशास्त्र (301)

प्रायोजना कार्य

मूल्यांकन योजना

समय : 02 घण्टे
(Time :Two Hours)

अधिकतम अंक : 20 अंक
(Max. Marks 20)

सरल क्रमांक **S.No.**	विषयवस्तु **(Heading)**	अंकभार **Marks allotted**
1	प्रोजेक्ट फाइल (निर्देशानुसार)	04 Marks
2	लिखित परीक्षा (निर्देशानुसार) 1घंटा	12 Marks
3	मौखिक परीक्षा (निर्देशानुसार)	04 Marks
	Total (कुल अंक)	**20 Marks**

भाग 'स'

प्रोजेक्ट

प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्देश :–

कक्षा 12वीं लेखाशास्त्र में प्रोजेक्ट कार्य B भाग– वित्तिय विवरण विश्लेषण में समाहित किया गया है। यह आशा की जाती है कि यह विद्यार्थी में व्यापारिक संस्थानों के लेखांकन डाटा का समस्त विश्लेषण तथा व्याख्या की क्षमता विकास में सहायक होगा तथा वे व्यवसाय संबंधी निर्णय लेने हेतु सक्षम/कुशल हो सकेंगे।

प्रोजेक्ट कार्य

समय 1 घंटा 30 मिनिट **अंक 20**

इकाई– 1 प्रोजेक्ट फाइल	–	04 अंक	–	निर्देशानुसार
इकाई– 2 लिखित परीक्षा	–	12 अंक	–	एक घंटा
इकाई– 3 मौखिक	–	04 अंक	–	आवश्यकतानुसार/निर्देशानुसार

उद्देश्य :–

- ❖ वास्तविक जीवन के व्यवसाय परिस्थितियों में लेखाकंन प्रक्रिया को पूर्ण करने योग्य बनाना तथा विस्तृत प्रोजेक्ट हेतु पाठ्यक्रमानुसार विश्लेषण की तकनीकों को लागू करवाना।
- ❖ व्यवसाय फर्म की तिमाही, छैःमाही तथा वार्षिकी रिपोर्ट से लेखांकन आंकड़ों को पढने की क्षमता का विकास तथा विशिष्ट प्रोजेक्ट के लिए प्रोजेक्ट फॉइल में निर्धारित प्रपत्र अनुसार वांछित सूचना संग्रह कर दिए गए निर्देशानुसार प्रस्तुत करना।

शिक्षकों के लिए निर्देश :–

संपूर्ण शिक्षा सत्र के दौरान विद्यार्थी कम से कम तीन प्रकार के प्रोजेक्ट पर कार्य करेगा जिसमें से एक विस्तृत प्रकृति का हो।

विस्तृत प्रोजेक्ट विद्यार्थियों को वित्तिय विश्लेषण के विश्लेषण तथा तैयारी हेतु लेखांकन की प्रांरभिक अवस्थाओं से जोड़ने में सहायक होगा। उपलब्ध कराए गए आंकड़े अथवा प्रोजेक्ट विवरण वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के निकट होना चाहिए। संबंधित फर्म के प्रोजेक्ट विवरण में समस्त महत्वपूर्ण पहलू जैसे निवेश, वित्त, Operating (प्रचालन), अंतिमलेखा समायोजन समावेशित होना चाहिए। इन समस्याओं की दी गई परिस्थितियों में विद्यार्थी को निवेश, विस्तार, वित्त इत्यादि के लिए निर्णय हेतु एक सार्थक निष्कर्ष निकालना/पहुँचाना आवश्यक है।

विशिष्ट प्रकृति के दो प्रोजेक्ट में से प्रत्येक में विश्लेषण की कम से कम एक तकनीक होना चाहिए। इनके लिए आंकड़े मुख्यतः कार्पोरेट सेक्टर के तिमाही या छैः माही या वार्षिक रिपोर्ट से एकत्रित किए जाने चाहिए।

विद्यार्थी वित्तिय विवरण में दी गई सूचना का विश्लेषण निम्नानुसार करेंगे :–

- ❖ तिमाही/छैमाही/वार्षिकी आधार पर किसी खण्ड का प्रदर्शन उनके तीन पैरामीटर राजस्व, सकल लाभ तथा कम्पनी की नियोजित पूंजी को ध्यान में रखकर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह कम्पनी द्वारा widely (भलिभांति) प्रकाशित एवं रिपोर्ट किया गया हो। जो कम्पनी की वेबसाइट अथवा समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।
- ❖ सामान्य या तुलनात्मक आधार विवरण की सहायता से तिमाही, छैःमाही, वार्षिकी आधार पर राजस्व, सकल लाभ, तथा प्रति शेयर आय की तुलना करना।

पाठ्यक्रम में वित्तिय विवरण के विश्लेषण हेतु 4 तकनीके दी गई है :– 1. तुलनात्मक विवरण 2. सामान्य आकार विवरण 3. अनुपात तथा रोकड़ प्रवाह विवरण, निष्कर्ष के लिए इनमें से कोई भी एक या अधिक तकनीक उपयोग की जा सकती है। तकनीक पर प्रोजेक्ट कदापि न बनाया जाए वरन् प्रोजेक्ट के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए इन तकनीकों का उपयोग किया जाए। जैसे अनुपात पर कोई प्रोजेक्ट नहीं है लेकिन अनुपात का उपयोग प्रोजेक्ट निर्माण के समय निष्कर्ष निकालने हेतु किया जाता है।

<u>अवसर</u>

प्रोजेक्ट कार्य के संबंध में निम्न अनुपात जोड़े गये हैं।

द्रवता अनुपात– चालू अनुपात (Current Ratio), तरल अनुपात।

ऋणशोधन क्षमता अनुपात– ऋण क्षमता अनुपात, कुल परिसंपत्तियों पर ऋण अनुपात।

क्रियाशीलता आवर्त अनुपात– रहतिया आवर्त अनुपात, व्यापारिक प्राप्य आवर्त अनुपात व्यापारिक देय आवर्त अनुपात, निवेश आवर्त अनुपात, स्थिर परिसंपत्तियां आवर्त अनुपात, चालू परिसंपत्तियां आवर्त अनुपात एवं कार्यशील पूंजी आवर्त अनुपात।

लाभप्रदता अनुपात– सकल लाभ अनुपात, प्रचालन अनुपात, निवल लाभ अनुपात, निवेश पर प्रप्याय (ROI), प्रति अंश अर्जन, मूल्य अर्जन अनुपात।

शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों से प्रोजेक्ट संबंधी समस्या हेतु वार्तालाप किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को कंपनी की तिमाही, छैमाही एवं वार्षिक Segment Reports राजस्व तथा सकल लाभ समाचार पत्रों या कंपनी की वेबसाइट से एकत्र करना चाहिए तथा प्रोजेक्ट कार्य के लिए स्वयं समस्या/उद्देश्य बनाना चाहिए।

- ❖ **टीपः–**विधार्थियों को परियोजना कार्य आबंटन हेतु विषय का चयन स्वयं शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रमानुसार स्थानीय परिवेश में उपलब्धता सुविधा के अनुसार किया जावें।

इकाई–1 प्रोजेक्ट फॉइल

विद्यार्थी अपने समस्या संबंधी कार्य के रिकार्ड हेतु निम्न फार्मेट/प्रारूप में प्रोजेक्ट फॉइल तैयार करेंगे।

1. फॉइल के प्रथम पृष्ठ पर कार्य का शीर्षक, विद्यार्थी का नाम, शाला तथा संबंधी शिक्षक का उल्लेख करें।
2. शीर्षक के अंतर्गत कार्य, पृष्ठ क्रमांक, दिनांक, शिक्षक का रिर्माक को दर्शाने के लिए अनुक्रमाणिक/सूची।
3. प्रोजेक्ट कार्य का प्रारूप निम्नानुसार रहेगा :–
   a. प्रोजेक्ट का नाम/समस्या का विवरण
   b. उद्देश्य
   c. अध्ययन की समयावधि
   d. संदर्भित वस्तुएँ (Source material)
   e. उपयोग की गई विश्लेषण की तकनीक
   f. कार्यविधि तथा आंकडों का सारणी करण
   g. ग्राफीय/रेखीय प्रस्तुतीकरण–पाई चित्रण/बार चित्रण तथा ग्राफ
   h. व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिकल्पना तथा निष्कर्ष
   i. अनुमान (Assumptions) यदि कोई है तो

प्रोजेक्ट फॉइल स्वच्छ हस्तलिखित तथा पृष्ठ क्रमांक के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए। समाधान के प्रत्येक पद को मुख्य रूप से दर्शाना आवश्यक है। निष्कर्ष को अंत में बॉक्स के अन्दर लिखा जाना चाहिए।

मूल्यांकन

परीक्षक के लिये निर्देश :–

प्रोजेक्ट फॉइल का मूल्यांकन करते समय अंकन 4 में से निम्न आधार पर किया जाए–

1) विषयवस्तु (Content)
2) क्षेत्र (Coverage)
3) प्रस्तुतीकरण
4) परिकल्पना तथा निष्कर्ष
5) कार्य की गुणवत्ता एवं वास्तविकता [Originality & Quality of work]

इकाई–2 लिखित परीक्षा

उद्देश्य –

1. व्यापारिक फर्म के वित्तिय विवरण के विश्लेषण का उन्मुखीकरण तथा उसकी सहायता से सार्थक सूचना एवं निष्कर्ष निकालने में सहायता करना।
2. छात्रों द्वारा प्रभावशाली ढ़ंग से निष्कर्ष निकालना व प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित करना।

शिक्षकों के लिए निर्देश :–

इन परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें तथा उनके स्थानीय परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र बनाएँ। कुछ उदाहरण स्वरूप प्रश्न इस बुकलेट के पीछे दिए गए हैं।

परीक्षक के लिए निर्देशः–

1. विद्यार्थी को 6 अंक के दो अनुप्रयोग आधारित प्रश्न दिए जाए जिसमें वित्तिय विवरण के विश्लेषण हेतु तकनीक शामिल हो।
2. शाला शिक्षक की सलाह उपरांत प्रश्नपत्र तैयार किए जाए।
3. 3 घंटे की बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र के सामान प्रश्न नहीं पूछे जाए।

केवल कंपनी के वित्तिय विवरण संबंधी उन प्रश्नों को पूछा जाए जो प्रायोगिक तौर पर अवधारणाओं को प्रोत्साहित करें। बाह्य परीक्षक को सत्र गत् पूर्ण किए गए प्रोजेक्ट के संबंध में आंतरिक परीक्षक से चर्चा उपरांत उस पर आधारित प्रश्न तैयार किया जाना चाहिए। आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक दोनों को पूछे गए प्रश्न की प्रकृति एवं अवसर पर सहमत होना चाहिए।

यह अवश्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रश्नों के एक से अधिक सेट तैयार किए गए है। अंको का अंकन लिए गए पद, पहचान किए गए डाटा (चिहिन्त डाटा) प्राप्त समाधान पर करना चाहिए।

इकाई–3 मौखिक

उद्देश्य : –

1. विद्यार्थी द्वारा लिए गये विषय की समझ तथा उसकी अभिव्यक्ति योग्यता का आकलन।
2. विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत की गई प्रोजेक्ट फॉइल की वैधता व विश्वसनीयता का आकलन।

शिक्षकों के लिए निर्देश :–

1. शिक्षक द्वारा संपूर्ण सत्र के पाठ्यक्रम अवधि में प्रोजेक्ट कार्य तथा फॉइल संबंधी प्रत्येक पहलू पर विद्यार्थी को मौखिक परीक्षा का अभ्यास करवाना।
2. समस्त आंतरिक परीक्षाओं की अवधि में प्रायोगिक परीक्षा में मौखिक परीक्षा को अनिवार्यतः शामिल किया जाए।
3. शिक्षक चाहे तो अपने साथी शिक्षक को/अन्य स्कूल के शिक्षक को प्रश्न पूछने हेतु आमंत्रित कर सकता है। यह विद्यार्थी को मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास करने एवं आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश

प्रोजेक्ट फॉइल में विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य के आधार पर प्रश्न पूछने चाहिए। बाह्य परीक्षक फॉइल में किए गए कार्य की विश्वसनीयता के परीक्षण हेतु 2–3 प्रश्न पूछ सकते है, शाला शिक्षक के साथ परामर्श द्वारा 4 में से अंक दिए जाने चाहिए।

Viva Question

1. केवल प्रोजेक्ट संबंधी होने चाहिए।
2. प्रोजेक्ट कार्य की विश्वसनीयता परीक्षण के लिए।
3. प्रोजेक्ट में समाहित/निहित विचार पर विद्यार्थी की समझ परीक्षण के लिए।

प्रायोगिक कार्य

कक्षा–12वीं

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन

दिशा–निर्देश :–

भाग ''स'' शीर्षक के अंतर्गत लेखाशास्त्र में कम्प्यूटरीकृत लेखांकन के प्रायोगिक कार्य को समावेशित किया गया है। जिसके लिए प्रत्येक शालाओं में निम्न आधारभूत संरचना आवश्यक है।

1. कम्प्यूटर में MS-Office-2007 तथा दो विद्यार्थियों के बीच एक प्रिंटर के साथ भलीभांति संधारित कम्प्यूटर लैब होना चाहिए।
2. वाणिज्य संकाय के शिक्षकों को कम्प्यूटरीकृत लेखांकन पाठ्यक्रम हेतु सक्षम होना चाहिए।

मूल्यांकन योजना

समय– 02 घण्टे **प्रायोगिक अंक 20**

1. फाईल	04 अंक
2. प्रायोगिक परीक्षा	12 अंक
3. मौखिक परीक्षा	04 अंक

प्रायोगिक कार्य

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रेक्टीकल फाइल के रूप में प्रोजेक्ट फाइल की साफ्ट कापी तैयार कर प्रस्तुत करना है। फाइल का प्रथम पृष्ठ में प्रोजेक्ट का शीर्षक, विद्यार्थी तथा मार्गदर्शक शिक्षक की जानकारी रहेगी। द्वितीय पृष्ठ में प्रोजेक्ट की सूची (अनुक्रमणिका) संलग्न रहेगी। इसके पश्चात प्रोजेक्ट के प्रपत्र 03 भागों में होंगे :– 1. प्रथम भाग में प्रोजेक्ट तथा उसके उद्देश्य का विवरण होगा। 2. द्वितीय भाग में प्रोजेक्ट के क्रियान्वन हेतु उपयोग की गयी कार्यप्रणाली का उल्लेख होगा। 3. तृतीय भाग में प्रोजेक्ट के पदो तथा अंतिम Out come का उल्लेख होगा। अंतिम पृष्ठ पर शिक्षक द्वारा ग्रेड तथा अंको का अंकन किया जाएगा।

कम्प्यूटर लेखांकन प्रणाली प्रेक्टीकल प्रोजेक्ट में साफ्टवेयर जैसे MS Access and MS Excel-2007 अनुप्रयोगों का उपयोग करते हुए डाटा फ्लों तथा लेखांकन सूचना जेनरेशन पर फोकस किया गया है।

MS Excel-07 में लेखांकन कार्य

Excel एक साफ्टवेयर है जो spread sheet के क्रियान्वन हेतु MS Office के साथ संलग्न रहता है तथा Excel में Worksheet कहलाता है। इसके लेखाकंन संबंधी विशिष्ट कार्य इस प्रकार है–

1. Bank Reconciliation Statement तैयार करना [both with passbook balance and cash book balance]
2. Petty Cash book तथा अचल सम्पत्ति खाता तैयार करना।
3. विश्लेषण अनुपात तथा लेखांकन पाठ्यक्रम के अनुसार अनुपात संबंधी ग्राफ/चार्ट तैयार करना।
4. लेखांकन पाठ्यक्रमानुसार अन्य कोई लेखांकन संबंधी कार्य।

MS Access-07 में लेखांकन कार्य

यह भाग लेखांकन डाटा बेस क्रियान्वन तथा MS Access-07 से संबंधित है। MS Access Database Management System (DBMS) में डाटा बेस Create, store तथा manage के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लेखाकंन संबंधी विशिष्ट कार्य इस प्रकार हैः–

1. लेखाकंन ट्रॉजेक्शन रिकार्डिंग के लिए डाटा बेस बनाना।
2. क्रय तथा विक्रय खाता तैयार करना।
3. स्थायी संपति पर मूल्यह्रास की गणना का डाटाबेस तैयार करना।
4. बिल भुगतान तथा बिल प्राप्ति बुक तैयार करना।
5. लेखांकन पाठ्यक्रमानुसार अन्य कोई लेखांकन संबंधी कार्य।

1.प्रायोगिक फाइल

विद्यार्थियों से फाईल तैयार कराने का उद्देश्य लेखांकन में MS Access तथा MSExcell-2007 का उपयोग करते हुए प्रायोगिक तौर पर विद्यार्थी की योग्यता का परीक्षण।

- विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे 6 लघु प्रोजेक्ट (MSExcell-2007 का उपयोग करते हुए 03 अभ्यास तथा MS Access का उपयोग करते हुए 03 अभ्यास) के प्रपत्र फाईल में जमा करेंगे।
- शिक्षक के द्वारा यह सुनिश्चितता आवश्यक है कि प्रत्येक विद्यार्थी की फाईल में प्रपत्र निम्नानुसार हो :–
  1. प्रोजेक्ट का अवलोकन।
  2. क्रियान्वयन के लिए आवश्यक क्रियाविधि ।
  3. परिकल्पना/अवधारणा का निर्माण।
  4. डिजाइन किये गये प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन।
  5. सी0 डी0 के माध्यम से अंतिम परिणाम जमा करना।

- विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते समय प्रायोगिक फाईल में किये गये अभ्यास का परीक्षण किया जाना चाहिए।

- प्रोजेक्ट फाईल के 04 अंक का वितरण निम्नानुसार किया जाना चाहिए
  1. प्रस्तुतीकरण।
  2. विषय–वस्तु।
  3. विश्वसनीयता।
  4. किये गये कार्य की पूर्णता।

2. प्रायोगिक परीक्षा

उद्देश्य : DBMS हेतु MS Access package के साथ Windows platform पर कम्प्यूटर सिस्टम का उपयोग करते हुए लेखांकन के प्रायोगिक अभ्यास से विद्याथियों की योग्यता का परीक्षण करना।

परीक्षक हेतु दिशा निर्देशः–

1. प्रायोगिक परीक्षा आंतरिक परीक्षक के उपस्थिति में बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएँ।
2. समय सीमा को ध्यान में रखते हुए, आंतरिक परीक्षक से परामर्श उपरांत प्रश्न पत्र सेट किया जाएँ।
3. प्रायोगिक परीक्षा हेतु दिये गये अभ्यास 01 अथवा 02 से अधिक न हो।
4. प्रायोगिक परीक्षा लेते हुए आंतरिक परीक्षक द्वारा बाह्य परीक्षक को शाला के कम्प्यूटर लेब की अधोसंरचना से परिचित कराया जाएँ।
5. परीक्षक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए की विद्यार्थी द्वारा उत्तरपुस्तिका में अभ्यास प्रश्न से संबंधित महत्वपूर्ण भागों का प्रिंट आउट लगाया गया हो

3. मौखिक परीक्षा

उद्देश्य :

1. विद्यार्थी को कम्प्यूटर के प्रायोगिक अभ्यास की समझ तथा आवश्यक संशोधन के साथ पुनः करने की क्षमता का परीक्षण।
2. कम्प्यूटर के प्रयोग द्वारा प्रायोगिक अभ्यास के सामान्य प्रयोग जैसे Save करना, प्रिंट करना तथा प्रायोगिक अभ्यास के Out comes के प्रदर्शन की योग्यता विकसित करना।
3. प्रायोगिक अभ्यास के सफलतापूर्वक पूर्ण करने के कारणों की व्याख्या करना।

परीक्षक के लिए निर्देश :

1. प्रत्येक विद्यार्थी से संवाद के पश्चात ही कोर्स संबंधी समझ का आकलन किया जाएँ।
2. विद्यार्थी से बिना किसी तनाव के सहज वातावरण में उनके द्वारा किये गये कार्य की जानकारी प्राप्त की जाएँ।

.....000.....